

92	मथाश्विन्यश्वकिनी दसदेवता	४३
93	अश्वयुग्बालिनी चा-	४४
94	य भरणी यमदेवता ॥ १०८ ॥	४५
95	कृत्तिका बङ्गलाश्वानिदेवा	४६
96	॥ १०९ ॥ ब्राह्मी तु रोहिणी	४७
97	मृगशीर्षं मृगशिरो मार्गश्रान्द्रमसं मृगः ॥ ११० ॥	४८
98	इत्त्वलास्तु मृगशिरःशिरःस्थाः पञ्च तारकाः	४९
99	आर्द्रा तु कालिनी रौद्रा	५०
1	॥ १११ ॥ पुनर्वसू तु यामकौ ॥ ११० ॥	५१
2	आदित्यौ च	५२
3	॥ ११२ ॥ पुष्यस्तिष्यः सिध्यश्च गुरुदैवतः	५३
4	सायश्लेषा	५४
5	मघाः पित्र्याः	५५
6	फाल्गुनी येनिदेवता ॥ १११ ॥	५६
7	सातूत्तरार्यमदेवा	५७
8	हस्तः सवितृदैवतः	५८
		५९

92. 93. Aṣvini, die 1te Mondstation (5 W.). — 94. Bharanī, die 2te M. (2 W.). — 95. Kṛttikā, die 3te M. (3 W.). — 96. Rohini, die 4te M. (2 W.). — 97. Mṛgaṣiras, die 5te M. (5 W.). — 98. Die 5 Sterne im Haupte des Mṛgaṣiras. — 99. Ārdrā, die 6te M. (3 W.). — 1. 2. Punarvasû, die 7te M. (3 W.). — 3. Pushja, die 8te M. (4 W.). — 4. Aṣleshâ, die 9te M. (2 W.). — 5. Maghâ, die 10te M. (2 W.). — 6. Pûrvaphâlgunî, die 11te M. (2 W.). — 7. Uttaraphâlgunî, die 12te M. (2 W.). — 8. Hasta, die 13te M. (2 W.).